Reprocessing Plant at Tarapur

469. SHRI S. R. DAMANI : Will the Minister of ATOMIC ENERGY be pleased to State :

(a) whether the newly built reprocessing plant at Tarapur has started processing of spent fuels ;

(b) if so, how much of the spent fuels which the U. S. Government has a right to claim back, have been processed;

(c) how much of the spent fuels have been so far claimed by the U. S. Government and sent back ; and

(d) the method of disposal of the remainder ?

THE PRIME MINISTER (SHRI MORARJI DESAI) : (a) Yes, Sir.

(b) spent fuel of US origin has not been reprocessed.

(c) and (d). No quantity has been claimed. The full quantity is being stored.

Setting up of a Working Group for Converting Akashvani and Doordarshan into Autonomous Institutions.

470. SHRI S. G. MURUGAIYAN : Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state :

(a) whether a working group has been set up to study the question of converting Akashvani and Doordarshan into autonomous institutions;

(b) if so, whether this group has completed its study and submitted its report;

(c) if so, the details ; and

(d) if not, when the report is expected?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI L. K. ADVANI) (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir.

(c) and (d) The Group may submit its report by February, 1978.

स्वाधीनता सेनानियों को पेंशन मंजूर किया जाना

471. **श्री रीतलाल प्रसाद वर्मा :** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) कितने स्वाधीनता सेनानियों से पेंशन की स्वीकृति के लिए आवेदन-पत्र प्राप्त हुए हैं और कितने स्वाधीनता सेनानियों को मासिक पेंशन मिल रही है ;

(ख) स्वाधीनता सेनानी पेंशनरों की राज्यवार संख्या कितनी है;

(ग) क्या बिहार में दो जाली 'पतों पर एक ही स्वाधीनता सेनानी द्वारा पेंशन प्राप्त करने के कुछ मामलों और भूतपूर्व कांग्रेस संसद् सदस्यों से जेल की सजा के झूठे प्रमाण-पत्र प्राप्त करके पेंशन प्राप्त करने के मामले प्रकाश में आये हैं ; और

(घ) क्या स्वाधीनता सेनानी पेंशन कार्यक्रम में भ्रष्टाचार और पेंशन के जाली मामलों के बारे में एक उच्चस्तरीय समिति के माध्यम से जांच कराने का सरकार का विचार है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री घनिक लाल मण्डल) : (क) और (ख). स्वतंत्रता सेनानियों को पेंशन की मंजूरी के लिए 31-10-77 तक 2,47,314 आवेदन-पत्र प्राप्त हो चुके है । 1,16,088 मामलों में पेंशन स्वीकृत की जा चुकी है । राज्यवार ब्यौरे का एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है । [देखिये संख्या LT 1055/77]

(ग) बिहार में एक ही स्वतंत्रता सेनानी द्वारा दी जाली पतों पर पेशनें प्राप्त करने का कोई मामला नोटिस में नहीं आया है । तथापि 19 व्यक्तियों के खिलाफ शिकायतें प्राप्त हुई हैं जिन्हें छह भूतपूर्व कांग्रेसी संसद् सदस्यों